एक मासूम लड़की

(पुस्तक के कुछ अंश)

आज भी शिवम रोज की तरह उठकर अपने मोबाइल को चेक करने लगा था तभी उसकी निगाह whatsapp को खोलते ही एक नये नम्बर पर पड़ी उसने तभी उस मेसेज को देखा उसमे बड़े ही प्यार भरे अंदाज मे लिखा था, वाकई आपकी उस प्यारी सी मुस्कान ने प्यारी सी मासूमियत ने मेरा दिल जीत लिया है....... और इन्ही शब्दो के साथ उसका मेसेज खत्म था

शिवम ने तुरंत उसकी प्रोफाइल फोटो पर क्लिक किया और देखा की अपने खुले बालो के साथ एक खूबसूरत सी लड़की है,वो भी एक अजनबी जिसे पहले कभी नही देखा ,उसे कुछ समझ नही आ रहा था आखिर कौन है थोड़ी देर के लिए तो उसे लगा शायद कोई दोस्त हो सकता है जो मजे ले रहा होगा। आगे............

आज भी शिवम रोज की तरह उठकर अपने मोबाइल को चेक करने लगा था तभी उसकी निगाह whatsapp को खोलते ही एक नये नम्बर पर पड़ी उसने तभी उस मेसेज को देखा उसमे बड़े ही प्यार भरे अंदाज मे लिखा था, वाकई आपकी उस प्यारी सी मुस्कान ने प्यारी सी मासूमियत ने मेरा दिल जीत लिया है....... और इन्ही शब्दो के साथ उसका मेसेज खत्म था

शिवम ने तुरंत उसकी प्रोफाइल फोटो पर क्लिक किया और देखा की अपने खुले बालो के साथ एक खूबसूरत सी लड़की है,वो भी एक अजनबी जिसे पहले कभी नही देखा ,उसे कुछ समझ नही आ रहा था आखिर कौन है थोड़ी देर के लिए तो उसे लगा शायद कोई दोस्त हो सकता है जो मजे ले रहा होगा

लेकिन फिर भी उसके दिल मे पूरी आशंका थी तभी तो उसने अभी तक कोई प्रतिउत्तर मे कोई मेसेज नही किया था थोड़ी देर बाद लगातार एक के बाद एक मेसेज आने लगे थे शिवम की धड़कन बढ़ने लगी थी और देखा तो उसी लड़की के मेसेज थे..

आपने कोई जवाब नही दिया......

मेसेज को पढते ही इस बार शिवम ने देर नही की और पूछ ही लिया ....

आप कोन ......

.....................शनाया

कोन शनाया....

....................तुम शिवम हो न

हा पर आपको मे नही जानता......

.....................................पता है मुझे

लेकिन आप मुझे कैसे जानती हो

.........काश मे आपको न जानती तो आज इस तरह मैसेज न करती और न ही इस तरहा आपको याद करती

इस मेसेज ने एक बार फिर शिवम को हिला दिया था

देखो मुझे कुछ समझ नही आ रहा है आप कौन.. शनाया हो,साफ साफ बताओ आप कोन हो......

इस बार शिवम गुस्से भरे अंदाज मे था

.............जी बताया तो शनाया

कहा रहती हो

............आपके दिल मे

क्या बकवास है ....

शिवम गुस्से मे जरूर था लेकिन अभी तक उसकी फोटो पूरी तरह उसके दिल मे घर कर चुकी थी ।और मैसेज न करते हुए

बिना कुछ समझे शिवम ने उसके नम्बर पर काॅल कर दिया था जब देखा कि वाकई उधर से एक प्यारी सी आवाज सुनाई दी

.....हैलो

देखो सच बताओ कौन हो आप

..................यार बताया तो शनाया कितनी बार बताना होगा

कहा रहती हो ....

............................होस्टल मे

मेरे नम्बर कहा से मिले.....

..............................फेसबुक से

फेसबुक से....ये कैसे.....

............................मेने तुम्हे कल रेस्टोरेंट मे देखा था तभी न जाने कैसे तुम पर दिल अ गया बात करना चाहा पर हिम्मत नही जुटा पाई तभी तुम्हारा नाम सुना जो तुम्हारे दोस्त ले रहे थे फिर होस्टल मे आकर फेसबुक पर सर्च किया जब देखा कि एक लम्बी सी लिस्ट है फिर भी मेने हर शिवम की प्रोफाइल देखी और देखते ही देखते आपकी प्रोफाइल नजर आ गई जिसमे वही चेहरा नजर आ गया था जिसने मेरे दिल ले लिया था जब उसको खोल कर तुम्हारे बारे मे जानना चाहा तो वही पर

आपके नम्बर मिल गए थे. हिम्मत जुटा कर आपको मैसेज कर दिया

इतनी लम्बी बात सुनकर शिवम खुशी से झूम उठा और कुछ सवाल किए बिना ही पूछ ही लिया,

क्या तुम मुझसे प्यार करती हो........

.............नही तो मे फालतू बकवास कर रही हू गुस्से भरे अंदाज मे उसने कहा

अरे इतना गुस्सा..........

............नही यार सच मे तुमसे बहुत प्यार करती हू.............

मुझे तुमसे मिलना है, शिवम ने तुरंत कहा ....

.........हा मिलने के लिए तो मे भी तड़प रही हू ....

फिर कहा.......शिवम ने कहा

मे 10 बजे कॉलेज जाउंगी आप सैकेंड बस स्टॉप पर मिल सकते हो

सैकेंड बस स्टॉप ...वो मेरे घर से बहुत दूरी पर है....पर मे पहुच जाउंगा...

ओके मे रखती हू मुझे बहुत काम करना है

अभी ....हा.....ठीक है बाय, यह कहते हुए शिवम ने भी फोन रख दिया था

शिवम के चेहरे पर खुशी पूरी तरह जाहिर हो रही थी बार बार वह उसके whatsapp बाले फोटो को निहार रहा था

सुबह के 8 बज चुके थे शिवम भी अपनी तैयारी मे जुट गया था इधर माँ को आज गुमसुम रहने वाला चेहरा खुशी से भरा नजर आ रहा था

अरे बेटा क्या हुआ तू आज बहुत खुश नजर आ रहा है ....

बस माँ ऐसे ही

तेरे पापा का फोन आया था दिल्ली से निकल चुके है ग्यारह बजे स्टेशन पर आ जाएगे जल्दी से तैयार होकर चले जाना ले आना

शिवम ने सुनकर गहरी साँस ली और जोर से कहा अरे माँ मुझे अभी दस बजे कुछ जरूरी काम से कॉलेज जाना है आप पापा से कहो न वो बस पकड़ कर आ जाए

अपना काम कल कर सकते हो गुस्से मे माँ ने कहा नही माँ बहुत जरूरी काम है

ओके बाबा.....मे पापा से बोल दूंगी

थैंक्यू मम्मी.शिवम ने तुरंत मुस्कुराते हुए कहा और जल्दी से तैयार होने लगा घड़ी मे देखा तो नो बज चुके थे उसके दिलो दिमाग मे बस शनाया छाई हुई थी कुछ ही देर बाद वो घर से सैकेंड स्टाप के लिए निकल गया था अपनी बाईक की रफ्तार आसमान को छुने की कोशिश कर रही थी उसके खयालात दिल से निकले भी नही थे की सैकेंड बस स्टॉप आ चुका था बहा रूक कर देखा तो वहा शनाया नजर नही आ रही थी तभी उसने जल्दी से अपना मोबाइल निकाला ही था की किसी का काॅल आ रहा था जब स्क्रीन कर देखा तो बेबी लिखा हुआ नजर आ रहा था

शनाया का कॉल था अभी तक मोहब्बत इतनी गहराई मे जा चुकी थी कि अब शनाया से बेबी के नाम से नम्बर लिखा जा चुका था ....

हैलो कहा हो .....

...............अरे तुम कहा हो मे तो यही पर आपका इंतजार कर रहा हू

..............बस मे दो मिनिट मे पहुच रही हू

ओके बाबा जल्दी आओ

शिवम की धड़कन बढ़ने लगी थी पहली मुलाकात जो आमने-सामने होने वाली थी ऐसा लग रहा था जैसे एक दिन कि बाते

सालो कि मोहब्बत मे तब्दील हो चुकी हो कुछ ही देर बाद....

जैसे ही शिवम कि नजर सामने से आ रही उस खुबसूरत सी लड़की पर पड़ी जो थोड़ी देर पहले अपने मोबाइल मे निहार रहा था वाकई वो बहुत खुबसूरत थी उसकी नजर भी शिवम पर पड़ चुकी थी शिवम अपनी बाईक से निचे उतर आया था उसकी धड़कन दुगुनी रफ्तार मे थी तभी एक दूसरे की दूरी भी खत्म हो चुकी थी और एक दूसरे के सामने थे

हाय...अपना हाथ बढाते हुए शनाया ने कहा

हाय....वाकई तुम तो बहुत खुबसूरत हो और मासूमियत तो आपके चेहरे से झलक रही है-- ....शिवम ने कहा

यह सुनकर शनाया मुस्कुरा दी थी,

अब चले उसी रेस्टोरेंट मे चलकर बाते करते है जहा आप हमसे दिल लगा बैठे थे

मुस्कुराते हुए शिवम ने कहा,

हा बिल्कुल.....

शिवम अपनी बाईक पर बैठा ही था की शनाया का फोन बजने लगा था शनाया फोन रिसीव करते हुए घबराती हुई बाते कर रही थी

बस मे थोड़ी ही देर मे पहुच रही हू

शिवम ने उस घबराते हुए चेहरे की और देखते हुए पूछा शनाया क्या हुआ

अभी अभी मेरी दोस्त का ऐक्सिडेंट हो गया बाईपास के आसपास पर मुझे जाना होगा क्या तुम मेरी मदद करोगे मेरे साथ चलोगे

क्यो नही बिलकुल........

और जल्दी से दोनो बाईपास की और चल दिये थे थोड़ी ही दूरी पर जाते हुए शनाया का फिर से फोन बजने लगा था शनाया रिसीव करते हुए हा क्या अन्दर की और हा ठीक है हम वही पहुंच रहे है ये कहते हुए शनाया ने फोन रख दिया था

शिवम आगे से लेफ्ट लेना है शनाया ने कहा

जैसे ही लेफ्ट लिया देखा उस सुनसान सी सड़क पर कोई नजर नही आ रहा था तभी शिवम ने पूछा....शनाया इस सुनसान

सी सड़क पर कैसे ऐक्सिडेंट हो सकता है

क्यों नही हो सकता.......

वो तो वही जाकर पता चलना है शनाया ने अपनी दर्द भरी आवाज मे कहा......

कुछ ही दूरी पर शिवम को कुछ लोग नजर आ रहे थे अरे शनाया शायद वो लोग खड़े है वही ऐक्सिडेंट हुआ है लगता है

हा मुझे भी वही लगता है

उन के पास पहुचते ही शनाया ने रुकने को कहा......

लेकिन यहा तो कोई लड़की नही है शिवम ने कहा अरे रुको तो ......

रुकते ही बहा मौजूद चार लोग ने जल्दी से शिवम को चाकू दिखाते हुए निचे उतरने को कहा उस सुनसान सी जगह पर कोई नजर नही आ रहा था जो शिवम की मदद कर सके थोड़ी ही देर पहले जो लड़की शिवम की जिन्दगी बन चुकी थी वही अब उन लोगो के साथ मिलकर उसकी जिन्दगी ले सकती थी अब वो शिवम के साथ नही बल्कि उसके साथियो के साथ थी शिवम के गले मे लटकी मोटी सी चैन हाथ मे सोने की अँगूठी पर्स मे रखे पैसे आईफोन मोबाइल पल्सर बाईक सब छीन कर उस सुनसान से रास्ते मे शिवम को अकेला छोडकर सभी फरार हो गए थे......

अब शिवम कुछ नही कर सकता था जिस लड़की के चेहरे से मासूमियत नजर आ रही थी वह और भी मासूम बन सकती थी.....याद रखे किसी पर भी इतनी जल्दी भरोसा करना घातक सिद्ध हो सकता है